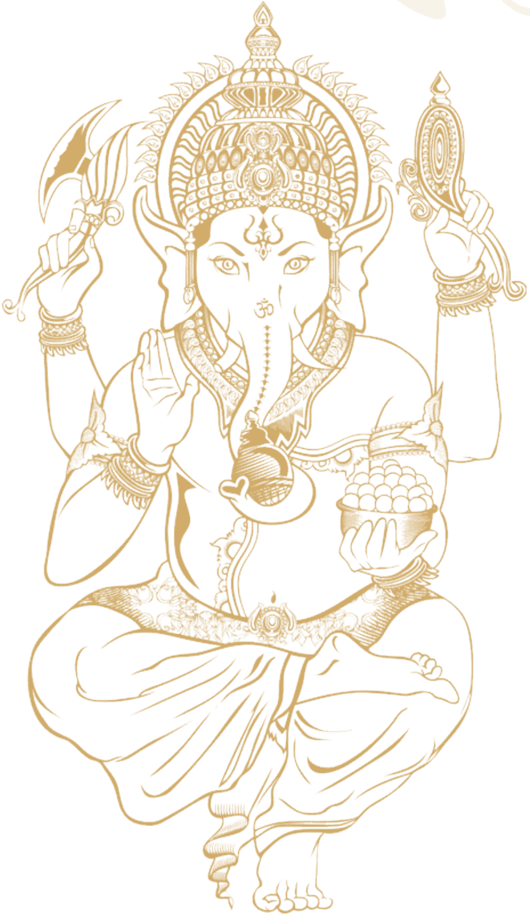

Jasmeen

23 Sep 2003

05:00 AM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121698406

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 22-23/09/2003**
दिन	: सोम-मंगलवार
जन्म समय	**: 05:00:00 घंटे**
इष्ट	: 57:06:53 घटी
स्थान	**: Simla**
राज्य	: Himachal Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 31:06:00 उत्तर
रेखांश	: 77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 04:38:40 घंटे
वेलान्तर	: 00:07:03 घंटे
साम्पातिक काल	: 04:44:19 घंटे
सूर्योदय	: 06:09:14 घंटे
सूर्यास्त	: 18:18:44 घंटे
दिनमान	: 12:09:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 05:38:05 कन्या
लग्न के अंश	: 19:46:42 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**: आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: सिद्ध
करण	: तैतिल
गण	: राक्षस
योनि	: मार्जार
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: श्वान
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: डे-डेम
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:46:42	310:04:37	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कन्या	05:38:05	00:58:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			कर्क	24:25:00	13:26:22	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल	व		कुंभ	06:20:26	00:03:29	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			सिंह	18:51:02	00:25:16	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	11:47:22	00:12:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	15:11:08	01:14:36	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि			मिथु	18:20:40	00:03:30	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	27:57:31	00:07:42	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	27:57:31	00:07:42	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:49:29	00:01:58	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:44:08	00:00:56	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:29:53	00:00:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृष	18:38:03	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:19

लग्न-चलित

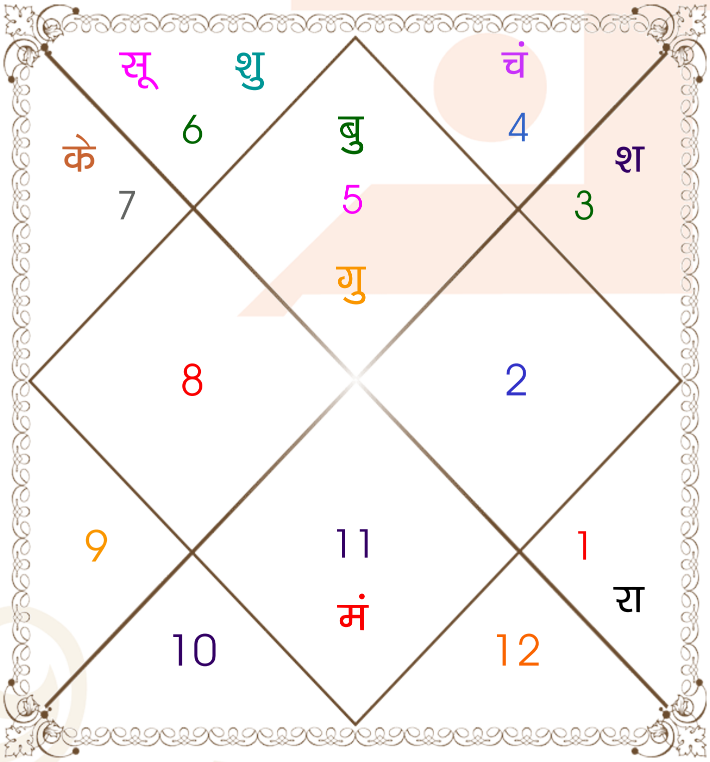

चन्द्र कुंडली

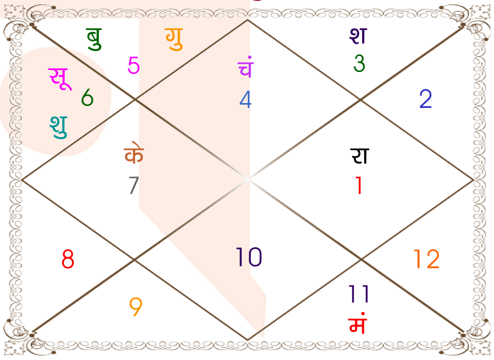

नवमांश कुंडली

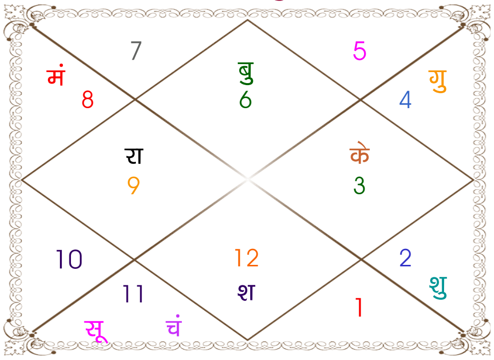

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 7 वर्ष 1 मास 12 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
23/09/2003	05/11/2010	05/11/2017	05/11/2037	05/11/2043
05/11/2010	05/11/2017	05/11/2037	05/11/2043	05/11/2053
00/00/0000	केतु 03/04/2011	शुक्र 06/03/2021	सूर्य 22/02/2038	चंद्र 04/09/2044
00/00/0000	शुक्र 02/06/2012	सूर्य 06/03/2022	चंद्र 24/08/2038	मंगल 06/04/2045
00/00/0000	सूर्य 08/10/2012	चंद्र 05/11/2023	मंगल 30/12/2038	राहु 05/10/2046
00/00/0000	चंद्र 09/05/2013	मंगल 04/01/2025	राहु 23/11/2039	गुरु 04/02/2048
00/00/0000	मंगल 05/10/2013	राहु 05/01/2028	गुरु 11/09/2040	शनि 05/09/2049
23/09/2003	राहु 24/10/2014	गुरु 05/09/2030	शनि 24/08/2041	बुध 04/02/2051
राहु 20/11/2005	गुरु 30/09/2015	शनि 05/11/2033	बुध 30/06/2042	केतु 05/09/2051
गुरु 26/02/2008	शनि 07/11/2016	बुध 04/09/2036	केतु 05/11/2042	शुक्र 06/05/2053
शनि 05/11/2010	बुध 05/11/2017	केतु 05/11/2037	शुक्र 05/11/2043	सूर्य 05/11/2053

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
05/11/2053	04/11/2060	05/11/2078	05/11/2094	06/11/2113
04/11/2060	05/11/2078	05/11/2094	06/11/2113	00/00/0000
मंगल 03/04/2054	राहु 19/07/2063	गुरु 23/12/2080	शनि 08/11/2097	बुध 03/04/2116
राहु 21/04/2055	गुरु 11/12/2065	शनि 06/07/2083	बुध 19/07/2100	केतु 31/03/2117
गुरु 27/03/2056	शनि 17/10/2068	बुध 11/10/2085	केतु 28/08/2101	शुक्र 30/01/2120
शनि 06/05/2057	बुध 06/05/2071	केतु 17/09/2086	शुक्र 27/10/2104	सूर्य 06/12/2120
बुध 03/05/2058	केतु 24/05/2072	शुक्र 18/05/2089	सूर्य 09/10/2105	चंद्र 07/05/2122
केतु 29/09/2058	शुक्र 25/05/2075	सूर्य 06/03/2090	चंद्र 10/05/2107	मंगल 04/05/2123
शुक्र 29/11/2059	सूर्य 17/04/2076	चंद्र 06/07/2091	मंगल 18/06/2108	राहु 24/09/2123
सूर्य 05/04/2060	चंद्र 17/10/2077	मंगल 11/06/2092	राहु 25/04/2111	00/00/0000
चंद्र 04/11/2060	मंगल 05/11/2078	राहु 05/11/2094	गुरु 06/11/2113	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 7 वर्ष 0 मा 19 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।